

धर्मेन्द्र प्रधान
धर्मेश्वर प्रधान
Dharmendra Pradhan



मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India



अपील

जैसा कि हम जानते हैं, हमारी संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ सरकार की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था और इस उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हमारे संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुसार संघ का यह कर्तव्य है कि वह राजभाषा हिंदी का विकास करे और उसका प्रचार-प्रसार बढ़ाए, जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

राष्ट्रीय एकता में हिंदी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देश के सभी भागों में हिंदी अच्छी तरह से बोली एवं समझी जाती है और यह एक संपर्क भाषा की भूमिका निभा रही है। भिन्न-भिन्न संस्कृति के होते हुए भी हम सब एक सूत्र में बंधे हुए हैं तथा देश की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि देवनागरी वर्णमाला विश्व की सभी वर्णमाला लिपियों की अपेक्षा भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से पूर्ण है क्योंकि इस लिपि की वर्णमाला अत्यंत तर्कसंगत, ध्वन्यात्मक और व्यवस्थित है।

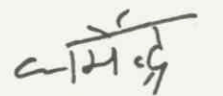
हमारे देश में भाषा संबंधी नीति बहुत उदार है। राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग प्रेरणा और प्रोत्साहन से किया जाता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम सरकार के कामकाज में हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग करें। इसके लिए हमें भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा प्रति वर्ष जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए।

वर्तमान समय कम्प्यूटर का युग है। कम्प्यूटर तथा अन्य अनेक उपकरणों के माध्यम से हिंदी का प्रयोग किया जाना अत्यंत सरल हो गया है। यह प्रसन्नता की बात है कि हमारे मंत्रालय में हिंदी का प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ता जा रहा है। इसे और अधिक सुगम, सरल तथा व्यापक बनाने के लिए भी प्रयास जारी हैं।

उक्त के परिप्रेक्ष्य में मंत्रालय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों से मेरा विशेष आग्रह है कि आप सभी अपने सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग करें और दूसरे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी इस दिशा में प्रेरित तथा प्रोत्साहित करें। धन्यवाद।

जय हिंद ।

नई दिल्ली,
दिनांक : 13 सितंबर, 2023


(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत - कुशल भारत